nwda.gov.in

तेजी से बढ़ रहीं ग्लेशियर झीलें ला सकतीं हैं तबाही

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय जल आयोग ने अपनी नई मानिटरिंग रिपोर्ट में बताया है कि भारत में 400 से अधिक ग्लेशियर झीलों का तेजी से विस्तार हो रहा है, जो भारत के लिए चिंताजनक स्थिति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाले दिनों में किसी भी प्रलय से बचने के लिए इनकी गहन निगरानी की आवश्यकता है।

हाल ही में सार्वजनिक की गई ग्लेशियर लेक्स एंड वाटर बाडीज फार जून 2025 नाम की एक रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने कहा है कि लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में फैली 432 ग्लेशियल झीलें विनाशकारी बाढ़ ला सकती हैं। इसलिए इनकी गहन निगरानी की जरूरत है। ये निष्कर्ष देश भर में व्यापक बाढ़ की पृष्ठभूमि में सामने आए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लेशियल लेक एटलस-2023 के मुताबिक भारत में स्थित 681 में से 432 झीलों का विस्तार हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश में इन झीलों की सबसे ज्यादा 197 संख्या हैं। वहीं लद्दाख में 120, जम्मू और कश्मीर में 57, सिक्किम में 47, हिमाचल प्रदेश में छह और उत्तराखंड में पांच झीलें इस सूची का हिस्सा हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ग्लेशियर झीलों का कुल क्षेत्रफल बीते दशक में तेजी से बढ़ा है। जानकारी के अनुसार, 2011 में इनका क्षेत्रफल 1,917 हेक्टेयर था जो 2025 में बढ़कर 2,508 हेक्टेयर हो गया है। जल्द से जल्द सचेत होने की जरूरत पर जोर देते हुए सीडब्ल्यूसी ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए रियल टाइम मानिटरिंग सिस्टम, सेटेलाइट बेस्ड अलर्ट और वार्निंग सिस्टम स्थापित करने की सिफारिश की है।